COMPOSITE REGIONAL CENTRE FOR SKILL DEVELOPMENT, REHABILITATION & EMPOWERMENT OF PERSONS WITH DISABILITIES [CRC – KOZHIKODE]
(Under the administrative control of NIEPMD, Chennai)
Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan)
Ministry of Social Justice & Empowerment, Government of India
IMHANS Campus, Medical College PO Kozhikode Kerala 673008

Department of Speech & Hearing CRC Kozhikode

Cochlear Implant

कोच्लेर इम्प्लांट क्या है ?

जब श्रवण विकलांगता का प्रमाण अधिक होंने पर कान की मशीन की उपयोगिता अनुचित हो जाती है सीवियर या प्रोफाउंड डिग्री के श्रावण विकलांगता बच्चे के आंत कान की केश कोशिका के कार्य बाधित होते है कान की नस व् अन्य भीतर के भाग बराबर होने के बावजूद आवाज न सुन पाने के कारण काम करना बंद कर देते है कोच्लेर इम्प्लांट आंत कान के ख़राब हिस्से को बाईपास (उपमार्ग) करते हुए कान की नस को उतेजित करता है और कान की नस आगे दिमाग में स्थित सुनने वाली भाग को उतेजित कर श्रावण बाधित बच्चे सुन पाते है कान की मशीन के तरह इससे भी ऑडिटरी ट्रेनिंग की बहुत जरुरत होती है बिना ऑडिटरी ट्रेनिंग के बच्चा बोलना और सुनना नहीं सीख पाता है ऑडिटरी ट्रेनिंग में बच्चे को विविध आवाज को सुन कर किस प्रकार ध्यान देना चाहिए सीखाया जता है श्रवण विशेषज्ञ कोच्लेर इम्प्लांट करने के पहले उसकी पात्रता के लिए विविध जाच करने है जिसमे BERA जाच , OAE जाच , impedance जाच , aided कान की मशीन से प्रतिसाद , स्पीच परसेप्शन जाच इत्यादि . उसी प्रकार शल्य चिकित्सक डॉक्टर भी शल्य पात्रता का निर्धारण करते है इसमें रेडिओलोजिकल CT स्कैन ऐम. आर . आइ (Radiology HRCT scan/ MRI), टीके करन (वक्सीनशन) इत्यादि का समावेस होता है

अगर आपका बच्चा में श्रवण विकलांग के कोई भी लक्षण दिखाई दे तो आप तुरंत श्रवण विशेषज्ञ से मिल कर उचित जाच से मन के संकोच को दूर करे.

द्वारा तैयार:

श्री शिवराज लालदास भीमटे , सहेयक प्रोफेसर भाषण और श्रवण सीआरसी कोझिकोड